>

Title: Need to take necessary steps for welfare of weavers of Eastern Uttar Pradesh.

श्री भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी (संत कबीर नगर): मैं सरकार का ध्यान देश में बुनकरों की खराब आर्थिक हालत की तरफ दिलाना चाहता हूं। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के जनपदों में बुनकरों के आर्थिक हालात काफी दयनीय है। इसका मुख्य कारण प्रदेश तथा केन्द्रीय सरकार का इनके प्रति नकारात्मक रवैया है। इन बुनकरों को कच्चे माल की उपलब्धता सरकार के द्वारा शून्य है। ये बुनकर कच्चे माल को अपने अल्प साधनों से प्राप्त करते हैं, जिसमें साहूकारों से काफी उँचे ब्याज दर पर ऋण लेना पड़ता है। अगर सरकार के द्वारा इनको ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाये तो इनके आर्थिक हालात सुधर सकते हैं तथा कच्चे माल की उपलब्धता सरकार द्वारा कराई जाये एवं तैयार माल को उचित बाजार उपलब्ध कराया जाये, जिससे कि इनको बिचौलियों से मुक्ति दिलाई जा सके ताकि ये अपना तैयार माल उचित दर पर बेच सकें, जिससे इनकी लागत तथा इनका मेहनताना मिल सके, जिससे कि इनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

सरकार से आग्रह है कि सरकार द्वारा निम्नलिखित बिंदुओं पर बुनकरों के कल्याण हेतु अविलंब जरूर कदम उठाये जाने की आवश्यकता है :

1. बुनकरों हेतु कच्चे माल की उपलब्धता निम्न दर पर कराना।
2. बैंकों द्वारा ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराना।
3. तैयार माल का उचित दर पर बाजार उपलब्ध कराना।
4. केन्द्र सरकार द्वारा एकमुश्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना।
5. नःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना, जिसमें स्वास्थ्य कार्ड जारी करना।
6. बुनकरों के बच्चों को उचित शिक्षा नःशुल्क उपलब्ध् कराना, जिसमें भोजन, कपड़ा(यूनिफार्म) किताबें, स्टेशनरी इत्यादि की उपलब्धता शामिल हो।

सरकार से आग्रह है कि उपरोक्त बिंदुओं को सरकार अविलंब ध्यान में रखते हुए सभी संसाधनों को उपलब्ध् कराने का कष्ट करें, जिससे कि बुनकरों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके अथवा बुनकरों के समाज के लुप्त होने का खतरा सुनिश्चित है।